

## पाठ-५ आकारान्त स्थीलिंग शब्दों

- प्र० आकारान्त किसे कहते हैं? उदाहरण सौदेत समझा जा।
- उ० जिन शब्दों का विचेष्ठ करने पर अंत में 'आ' स्वर आता है, वे आकारान्त शब्द कहलाते हैं; जैसे - पटका, मौकिका, कलिका आदि।

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए -

कलिका -	कली
कोकिले -	दो कोयल
पिपीलिका -	चींटी
मूषिका -	अनेकचुटियाँ
सरिते -	दी नदियाँ

2. निम्नलिखित शब्दों में से रुकुवयन, हिवयन व बहुवयन शब्दों को पढ़ानिए -

रुकुवयन  
शिक्षिका  
पटका  
कलिका

हिवयन  
कन्धे  
माले  
शाये

बहुवयन  
लता:  
मूषिका:  
नौका:

अज्ञा:

1. नीचे लिखे शब्दों की संस्कृत में लिखिए -
- |             |           |                          |
|-------------|-----------|--------------------------|
| दो चुटिया - | मूषिके    | नदी - सरिता              |
| चींटियाँ -  | पिपीलिका: | दो लड़कियाँ - गालिके     |
| कली -       | कलिका     | अद्यापिकारङ् - शिक्षिका: |

118 - 5

2. पिंड देखकर वचनातुसार नाम लिखिए -

- |            |           |             |
|------------|-----------|-------------|
| (क) चटका   | (ख) नौका: | (ग) कलिके   |
| (क) माले   | (ख) ढाँगे | (ग) बोलिका: |
| (क) कोकिला | अ मुखिके  | (ग) अजा:    |

3. निम्नलिखित शब्दों में से स्फीलिंग तथा पुलिंग शब्दों को अलग-अलग कीजिए -

पुलिंग

स्फीलिंग

श्रमिकः

पिपीलिका

गर्दभः

माला

वानरः

सरिता

शुकः

बिंदिका

सपोतः

चटका

4. उचित अर्थ पर (v) का निशान लगाइए -

माले	=	मालारु, दोमाला
पिपीलिका:	=	दोचींटी, चीटियाँ
कोकिले	=	कोयल, दोकोयल
अजा	=	बकरी, बकरियाँ
चटका:	=	दोचिड़ियाँ, अनेक पितियाँ
बोलिका:	=	रुक्लड़मी, लड़कियाँ
सरिते	=	नदियाँ, दो नदियाँ

५. निम्नलिखित शब्दों के द्विवचन व बहुवचन रूप लिखिए -

बालिका

आजा

शिक्षिका

मूषिका

दागा

द्विवचन

बालि<sup>क</sup>

आजौ

शिक्षि<sup>के</sup>

मूषि<sup>के</sup>

दागौ

बहुवचन

बालिका:

आजा:

शिक्षिका:

मूषिका:

दागा:

२. निम्नलिखित शब्दों की निर्देशानुसार लिखिए -

आजः

शिक्षिका

सुता

वृद्धः

मूषकः

मृगी

बालिका

लेखिका

(स्त्रीलिंग)

(पुलिंग)

(पुलिंग)

(स्त्रीलिंग)

(स्त्रीलिंग)

(पुलिंग)

(पुलिंग)

(पुलिंग)

आजा

शिक्षकः

सुतः

वृद्धा

मूषिका

मृगः

बालिका:

लेखिकः

# पाठ-६ अकाशन्त नपुंसकलिंगशब्दोऽद्यः

Page No.

- प्र०** अकाशन्त नपुंसकलिंगशब्द किसे कहते हैं?  
उक्तावरण सौंदर्य लिखो।
- ३०** वे शब्द जो न पुलिंग हो और न ही स्त्रीलिंग  
अकाशन्त नपुंसकलिंग कहलाते हैं; जैसे-  
फलम्, पुष्पम् पुस्तकम् आदि। सामान्यतया इनके रूपवयन शब्दों के  
जंत में 'म्' आता है।

**१.** नपुंसकलिंगशब्दों के चार उक्तावरण  
संस्कृत में बताइए।

**३०** फलम्, पुस्तकम्, वनम्, मोदकम्।

**१** निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए-  
अनेक घर- गृहाणि दोपुल- पुष्पे  
किताव- पुस्तकम् कापड़ा- वस्त्रम्  
दो भिग- भित्रे उनेक जल- फलानि  
जंगल- वनम् गोद- कन्दुकम्  
लड्डू- मोदकम् तस्वीर- स्थितम्

**२.** निम्नलिखित शब्दों को लिंग के अनुसार  
अलग-अलग वर्गों में व्याप्तिए-  
पुलिंग

शशकः

रभा

नपुंसकलिंग

क्रीडनकम्

नरः

मस्तिष्का

वस्त्राणि

शुकः

नासिका

स्थितम्

अद्यपापकः

कक्षा

भौजानम्

### ३. चित्र देखकर वाचना-नुसार नाम लिखिए -

- |     |          |                  |       |
|-----|----------|------------------|-------|
| (क) | कमलम्    | (अ) क-दुकानि (ग) | नोडे  |
| (ख) | फलानि    | (इ) पर्गी (ज)    | दगानि |
| (द) | वस्त्रम् | (ट) मोदकानि (झ)  | मृदम् |

### ४. उचित शब्दों से रिक्त स्थान भीरिए -

	राक्षसन	द्विवचन	बहुवचन
(क)	शुकः	शुकों	शुकाः
(ख)	फलम्	फले	फलानि
(ग)	सिंहः	सिंहों	सिंहाः
(घ)	लता	लतों	लताः
(ङ)	क-या	के-यों	क-याः
(च)	बालकः	बालकों	बालकाः
(छ)	अजा	अजों	अजाः
(ज)	मित्रम्	मित्रों	मित्राणि

रचनात्मक कार्य

### ५. नीचे लिखे शब्दों के सही अर्थ पर (✓) का निशान लगाइए -

- दुर्घटम् — चाप, दुष्ट, पानी
- उद्यानोम् — घर, खोत, बगीचा
- परम् — बर्तन, पत्ता, किताब
- शाकम् — फल, गोजन, साग-सल्ली
- अनन्नम् — गोहु, आनंद, चावल

## पुनरावृत्ति परीक्षा पार्ट 1

Date:	
Page No.:	

1. स्वर और व्यंजन द्वांटकर लिखिए -

स्वर

अ  
इ, उ  
ओ, ए  
आ

व्यंजन

त, अ  
ल, क  
द  
प

2. संपुक्त व्यंजन बनाइए व उनका प्रयोग कर दो - दो शब्द लिखिए -

क + ष = क्ष	- कक्ष, भृष्ट
त + र = त्र	- मित्र, शत्रु
ज + र = ज्र	- राज, विजान
श + र = श्र	- श्रम, श्रमिक
द + य = द्य	- उद्यग, विद्या

3. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

ब् + आ + ल + अ + क् + अः = बालकः

स् + अ + त् + य् + अः = सत्यः

प् + अ + ज् + आ = पूजा

क् + अ + प् + ओ + त् + अः = कपोतः

प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् =  
= पुस्तकम्

व् + आ + ऊ + अ + र + अः = वानरः

# REVISION TEST PAPER - 1

Date:

Page No.

4. चिंगे देखकर दिस गरज शब्दों की सहायता से नाम लिखिएः-

मयूरों

मुषकः

मृदभ्  
आभ्रे

पुष्पाणी

नासिका

5. लिंगे अनुसार शब्दों को लिखिएः-

पुलिंग

कपोतः

गजः

सिंहः

श्रमिकः

स्त्रीलिंग

माला

चटका

अजा

लता

नपुंसकलिंग

क-दुक्षम्

फलभ्

सप्तमक्षम्

कमलभ्

6. सही अर्थ पर ( ) का निशान लगाइएः-

कुरुधम् — चाय, दूध, पानी

श्रमिकः — छाग, शिक्षक, मजदूर

अजा — बकरी, गाय, चिड़िया

भुज़ंगः — शौर, मौदड़, साप

पतम् — बर्तन, किंताँव, पत्ता

शाकभ् — घल, भोजन, साग-सजी

Date:

Page No.

7 निम्नलिखित शब्दों को छहवें वर्षालय में बदलें -

- (क.) वानरः — वानराः (अ) बालिका — बालिकाः  
(ग.) शुक्रः — शुक्राः (घ) वनभृत् — वननिधि  
(ज.) मूषिका — मूषिकाः (च) मित्रभृत् — मित्राणि

8 निम्नलिखित शब्दों के वर्णन ज्ञाताइए -

- (क.) सिंट्रोः — छहवें वर्षालय पुस्तकों — छिवन्यन  
(ग.) माल्किर्क्षा — छिवन्यन (घ) गोजाः — छहवें वर्षालय  
(ज.) अमिको — छिवन्यन (च) चित्राणि — छहवें वर्षालय

# पाठ-७ आर्स्त, स्तः, सी-त

Date:

Page No.

## अभ्यास-

2. निम्नालिखित वाक्यों के अर्थ बताइए -

माला आर्स्त । — माला है ।

दौगा स्तः । — दौ दूग हैं ।

मृगा सी-त । — अनेक हिरन हैं ।

## लिखित

1. चित्रों को देखकर उनके नामों के साथ आर्स्त, स्तः या सी-त का प्रयोग कीजिए -

बालकः आर्स्त — बालिका आर्स्त — बालस्तः

बालका: सी-त — बालिका: सी-त — पुष्पाणि सी-त

2. दिरा गरा शब्दों के साथ आर्स्त, स्तः या सी-त का उचित प्रयोग कर वाक्य बनाइए -

शिक्षकः सी-त ।

वानरः आर्स्त ।

पत्नाणि सी-त ।

गांधि के स्तः ।

भवनम् आर्स्त ।

नेत्रे स्तः ।

मयूरी स्तः ।

मूषिका आर्स्त ।

मुड़ि का आर्स्त ।

शिक्षकः आर्स्त ।

3. आर्स्त, स्तः या सी-त के उचित प्रयोग से रिक्त स्थानों को भरें -

अश्वः आर्स्त

अर्जुवी स्तः अश्वाः सी-

कमलम् आर्स्त

कमले स्तः कमलाणि सी-

व्यावका आरित  
वृक्षः आस्ति  
लता आस्ति

व्यावके रूपः  
वृक्षो रूपः  
लते रूपः

द्यावका: सीनि  
वृक्षः सीनि  
लता: सीनि

स्वनामक रूप

१० प्रत्येक शब्दों के रूपों में अस्ति, स्तः, या सी-त  
जोड़कर तीन-तीन वाक्य बनाइए -

क शुकः आस्ति ।	शुको रूपः ।	शुका: सी-त ।
वानरः आस्ति ।	वानरो रूपः ।	वानरा: सी-त ।
बालिका आस्ति ।	बालिके रूपः ।	बालिका: सी-त ।
मीला आरित ।	माले रूपः ।	माला: सी-त ।
मोदकम् आस्ति ।	मोदके रूपः ।	मोदकानि सीनि ।
चिगम् आस्ति ।	चिगो रूपः ।	चिगाणि सी-त ।
भूषकः आस्ति ।	भूषको रूपः ।	भूषका: सी-त ।
कालिका आस्ति ।	कालिके रूपः ।	कालिका: सीनि ।
गृहम् आस्ति ।	गृहे रूपः ।	गृहाणि सीनि ।

अथ काकः आस्ति ।	काको रूपः ।	काका: सी-त ।
बाणः आस्ति ।	बाणो रूपः ।	बाणा: सीनि ।
मुद्रिका आस्ति ।	मुद्रिके रूपः ।	मुद्रिका: सी-त ।
तुला आस्ति ।	तुले रूपः ।	तुला: की-त ।
पुस्तकम् आस्ति ।	पुस्तके रूपः ।	पुस्तकानि सीनि ।

Date:

Page No.

## 2. शुद्ध रूपालय

अशुद्ध

अस्ती

नास्ति

सोत

मोदकाणि

बालकाणि

पुष्प  
गांगानि

शुद्ध

आस्ति

नास्ति

सोत

मोदकाणि

बालकाणि

पुष्पाणि  
गांगा:

VI

## पाठ-8 स्वनाम-प्रत्ययः

Date:
Page No.

अपम्: (1)

2. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ बताइए -

इमी - (पु.) मैं कौनों

तो - (पु.) कौनों

कै - (पु.) कौन सा

को - (पु.) कौन को

रघः - (पु.) पह

अपम् - (पु.) पह

1. चित्र देखकर उत्तर दीजिए -

रघः अगः आस्ति | रग्नेष्यगाः सोऽत | इमी सिद्धा स्तः |

अपम् सिद्धः आस्ति | रग्नो सोऽनको स्तः | रग्नेष्यनिकाः सोऽनि-

तो बालको स्तः सः सेनिकः आस्ति तेबालकाः सेनि-

2. उचित मिलान कीजिए -

(1) रघः

खगो (2)

(2) रग्नो

सिद्धाः (6)

(3) ते

द्वागः (5)

(4) सः

सेनिकाः (3)

(5) अपम्

सिद्धः (1)

(6) इमी

बालकः (4)

### 3. उचित सर्वनाम शब्द लिखकर रिक्त स्थान पूर्ण -

- (क) ते कृष्णः सी-त |
- (ख) रघुः कुकुरः आर-त |
- (ग) सूः शशकः अस्ति |
- (घ) रघौ गजः स्ति |
- (ङ.) तो क्रीड़को स्तः |
- (च) सः अधपापक अस्ति |

### 4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए -

- (क) अपमि सिद्धः सी-त |
- उ० अपमे सिद्धः अस्ति |
- (ख) रघौ रवगः अस्ति |
- उ० रघुः रघः अस्ति |
- (ग) ते सेनिमाः स्तः |
- उ० ते सेनिमाः सी-त |
- (घ) रघुः कुकुराः सी-त |
- उ० रघौ कुकुराः की-त |
- (ङ.) तो बालको सी-त | <sup>उ०</sup> तो बालको स्तः |

### 5. हिंदी में अनुवाद कीजिए -

- |                     |                 |
|---------------------|-----------------|
| (क) सः द्वागः अस्ति | यह द्वाग है     |
| (ख) ते बालकाः सी-त  | वे सब बालक हैं  |
| (ग) अयं गजः अस्ति   | यह दूधी है      |
| (घ) रघुः शकः अस्ति  | यह तोता है      |
| (ङ.) तो मैनिमो स्तः | वे दो मैनिम हैं |

अनुसंधानः

१. अर्थ उत्तादिरः -

सा - (स्वी) वह रुषा - (स्वी) यह  
 ते - (स्वी) वे दो रुते - (स्वी) में दोनों  
 ताः - (स्वी) वे सब रुताः - (स्वी) में सब  
 इयम् - (स्वी) यह  
 इमैः - (स्वी) वे दो  
 इमाः - (स्वी) वे सब

१. चिंग देखकर उत्तर दीजिए -

५० सा का अस्ति ? प्र० ते के स्वाः ?

३० सा अजा आस्ति । ३० ते अजोस्तः ।

प्र० रुषा का आस्त ?

३० रुषा गायिका आस्त ।

प्र० रुताः सा भीत ?

३० रुताः गायिका भीत ।

रुते के स्तः ?

३० रुते शिक्षि के स्तः ।

प्र० रुषा सा आस्त ?

३० रुषा शिक्षि का आस्त ।

प्र० सा सा आस्त ?

३० सा छागा आस्त ।

प्र० ताः का भीत ?

३० ताः छागा भीत ।

प्र० ते के स्तः ?

३० ते छागे स्तः ।

## 2. अंगेत शिलान की श्रिर -

- (१) इगम्
- (२) सा
- (३) ता:
- (४) रुद्रे
- (५) उर्गे
- (६) रुषा-

- (१) लोलिका (अ)
- (२) आजो (व)
- (३) शोकिलो (इ)
- (४) महिला (ख)
- (५) आध्यापिका (क)
- (६) अजाः (ग)

## 3. विस्तृतिलोप्त वाक्य रूदृष्ट की श्रिर -

क सा लोलिका: सीन्ति ।

शुद्ध ता: लोलिका: सीन्ति ।

य ते गायिका उस्ति ।

थुद्ध सा गायिका उस्ति ।

ग सा द्वात्राः सीन्ति ।

थुद्ध ता: द्वात्राः सीन्ति ।

ष ता: अजाः पराति ।

थुद्ध तीः अजाः पराति ।

रुद्र रुताः महिलाः हृस्ति ।

उद्ध रुताः महिलाः हृस्ति ।

(१) रुताः लोलिम सीन्ति ।

उद्ध रुषा लोलिका गायिका

## 2. उचित मिलान कीजिए -

- (क) इनम्
- (ख) सा
- (ग) ता:
- (घ) रुपूते
- (ङ) इमे
- (च) शब्दा

- (i) वालिका (ए)
- (ii) अंजो (व)
- (iii) कोकिल (उ)
- (iv) महिला (ख)
- (v) अध्यापिका (क)
- (vi) अंजा: (ग)

## 3. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध कीजिए -

क सः बालिका: सन्ति॑त ।

शुद्ध ता: बालिका: अस्ति॑त ।

ख ते गायिका अस्ति॑त ।

शुद्ध सा गायिका अस्ति॑त ।

गा भा द्वागा: सन्ति॑त ।

शुद्ध ता: द्वागा: सन्ति॑त ।

घ ता: अंजा: परी॑त ।

शुद्ध ता: अंजा: परी॑त ।

च रुपूता: महिला: दृसा॑त ।

शुद्ध रुपूता: महिला: दृसा॑त ।

उ (ङ) रुपूता: बालिका सन्ति॑त ।

शुद्ध रुपूता: बालिका अस्ति॑त ।

## ५. हिंदी में अनुवाद कीठिरा-

(क) रहते वालिके स्तः।

ये दो वालिका हैं।

(ख) सा गापिका आस्ति।

वह गापिका है।

(ग) ता: पिपीलिका: सी-त।

वे सब-चीटियाँ हैं।

(घ) राषा लता आस्ति।

यह लता है।

(ङ) इयम् चटका आस्ति।

यह चीड़िया है।

(च) इमे मूषिके स्तः।

ये दो मुषिके हैं।

## (111) पाठ - ४

### अभ्यास कार्यः

२. निम्नलिखित के अर्थ छाइरा -

इमीं (पु.) मेरी दोनों

तीं - (पु.) वे दोनों

के (पु.) जौन सब

कीं - (पु.) कौन कौनों

राष्ट्र - (पु.) यह

अयम् (पु.) यह

1. कोष्ठक के से उचित सर्वनाम अद्वितीय -

- (क) इमानि प्रक्राणि सन्ति ।
- (ख) इमं पुष्टे स्तः ।
- (ग) तानि पवाणि सन्ति ।
- (घ) रतत पुस्तकं आस्ति ।
- (ङ) रतानि मोदकानि सोन्ति ।

2. उचित मिलान कीजिए -

(क)	इदम्	(i)	पल्लीनि	(ए)
(ख)	इमीनि	(ii)	पुस्तकं	(इ.)
(ग)	रतत	(iii)	प्रक्राणि	(अ.)
(घ)	रतानि	(iv)	पवाणि	(घ.)
(ङ.)	तत्	(v)	मृद्दाणि	(फ.)
(ए)	तानि	(vi)	रुप्यकम्	(ज.)

3. चित्र देखकर उत्तर दीजिए -

- प्र० रतत् किम् अस्ति ? प्र० तानि कानि सीन्ति ?
  - उ० रतत् आभ्रम् ओस्ति | उ० तानि मृद्दाणि सीन्ति ?
  - प० इमे के स्तः ?
  - उ० इमं क-दुके स्तः |
- उ० स्तापि कानि सीन्ति (पहुँचलता है)
- प्र० रतत् किम् अस्ति ? प्र० तत् किम् अस्ति ?
  - उ० रतत् आभ्रम् ओस्ति | उ० तत् मृद्देभु अस्ति ?
  - प० इदम् किम् अस्ति ?
  - उ० इदम् क-दुकम् अस्ति ?

प्र० इमानि कानि सी-तः ?

उ० इमानि पुस्तकानि सां-ता ।

प्र० ते के स्तः ?

उ० ते पुस्तके स्तः ।

प्र० रुते के स्तः ?

उ० रुते आङ्गे स्तः ।

५. निरन्वलित वाक्य शुद्ध कीजिए -

(क) तानि पुस्तकानि आस्ति ।

शुद्ध तानि पुस्तकानि सी-ता ।

(ख) तौं फले स्तः ।

शुद्ध ते फले स्तः ।

(ग) इदम् भवनम् स्तः ।

शुद्ध इदम् भवनम् आस्ति ।

(घ) इसे चक्राणि सी-ता ।

शुद्ध इमानि चक्राणि सी-ता ।

(ड) रुतानि फलम् आस्ति ।

शुद्ध रुतत् फलम् आस्ति ।

५ दिंदी में अनुवाद कीजिए -

(क) रुतानि पुस्तकानि सी-ता ।

उ० ये सब पुस्तके हैं।

(ख) रुतत् पुस्तक में आस्ति ।

उ० यह पुस्तक है।

(ग) तानि फलानि सी-ता ।

उ० ये फल हैं।

Date:
Page No.

(व्य) तत् छारम् औरत् ।

उ० वह छार है।

(उ०) ते कन्दुके स्तः ।

(उ०) वे दो मेंदं हैं।

### खनात्मक कार्य

2. संस्कृत में उत्तर दीजिए ?

प्र० इयम् का औरत् ? प्र० इम् के स्तः ?

उ० इयम् लता औरत् । उ० इम् अंगे स्तः ।

प्र० इदम् किम् औरत् ?

उ० इदम् आभ्रम् औरत् ।

प्र० राषा का औरत् ? प्र० ता॒ः का॑ः सी॑-१७

उ० राषा बालि का औरत् । उ० ता॒ः पुष्पाणि॑ सी॑-१८

प्र० तानि॑ कानि॑ सी॑-१९

उ० तानि॑ कन्दुकानि॑ सी॑-२०

# पुनरावृत्ति परीक्षण - २

Date \_\_\_\_\_ / \_\_\_\_\_ / \_\_\_\_\_

## REVISION TEST PAPER - २

1. खिंचों को देखकर मञ्जुषा में दिर गरु शब्दों से वाक्य पूरा कीजिए -

(तत्, ते, रहते, रहता:, इहम्, रहतानि, अपम्, रणा, सः )

ते अरवा: सन्ति। सः मिदः अस्ति। अपम् वासरः अस्ति।

तत् उद्यानं अस्ति। रहता: अजा: सन्ति। [इस वाक्य में चिन्ता गलत दिया है।]

रहते पिपीलि के स्तः।

रणा अध्यापिका अस्ति। रहतानि मोदकानि सन्ति।

तत् पुस्तकं अस्ति।

2. कोठक में से उचित शब्द दुवारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

(सा, रघु:, इम्, तानि, रणा, रहती, रहता:, तत्)

(अ) रघु: रघुगः अस्ति।

(ब) रणा अजा अस्ति।

(ग) तानि पगाणि पर्तान्ति।

(द) इम् पुस्तके स्तः।

(इ) रहती खंगी स्तः।

(च) सा अध्यापिका अस्ति।

(छ) तत् गृहम् अस्ति।

(ज) रहता: पिपीलि का: सोन्ति।

You have to take the calculated risk, to earn something." - Dhirubhai Ambani

### ३. नेमनलिखित वाक्यों के शुद्ध लिखिए-

- (क) सः बालकौ स्तः।  
 शुद्ध तो बालकौ स्तः।
- (ख) इम् सिंहः अस्ति।  
 शुद्ध इप्म् सिंहः अस्ति।
- (ग) रताः मोहिलाः हस्तात्।  
 शुद्ध रताः मोहिलाः हस्तात्।
- (घ) तानि पुस्तकानि अस्ति।  
 शुद्ध तानि पुस्तकानि सन्ति।
- (ङ) सा द्यात्रा सन्ति।  
 शुद्ध सा द्यात्रा अस्ति।
- (च) रतानि फलम् अस्ति।  
 शुद्ध रतत् फलम् अस्ति।

### ४. निर्देशानुसार वाक्यों को बदलिए - वचन के अनुसार-

- (क) ताः बालिकाः सन्ति। सा बालिका अस्ति।
- (ख) तत् फलम् अस्ति। तानि फलानि सन्ति।
- (ग) सा अजा भवित। ते अजे स्तः।
- (घ) रताः गायिका; सन्ति। रुषा गायिका अस्ति।
- (ङ) सः सैनिकः अस्ति। ते सैनिकः सन्ति।

५.

### ५. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- (क) अपं गृजः अस्ति। पह दॄष्टि है।
- (ख) सा गायिका अस्ति। वह गायिका है।
- (ग) रतानि पुस्तकानि सन्ति। ये जब पुस्तके हैं।

- (अ) इयम्-वद्मा उस्ति । यह चिड़िया है ।
- (इ) रतत् पुष्पग् उस्ति । यह पूल है ।
- (उ) ते गातकाः सन्ति । वे सब बालक हैं ।

### 6 उचित मिलान कीजिए —

(क)	तत्	उस्ति
(ख)	रतानि	सन्ति
(ग)	ताः	सन्ति
(घ)	रत्मे	स्तः
(ङ)	रन्ते	स्तः
(च)	सः	उस्ति

प्र०

- प्र० धातु किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।
- उ० किसी भी साध के करने या होने को 'क्रिया' कहते हैं। संस्कृत भाषा में क्रिया के मूल रूप को 'धातु' कहा जाता है; जैसे- हस् (हँसना) पठ पढ़ना।

अभ्यासः

१. निम्नलिखित शब्दों की मूल धातु बताइए—
- |         |         |
|---------|---------|
| वावति   | - वा॒व् |
| नृत्यति | - नृ॒त् |
| पतति    | - प॒त्  |
| नमति    | - न॒म्  |
| कूजति   | - कू॒ज् |

लिखित

१. निम्नलिखित क्रियाओं के मूल धातु रूप लिखिए—

- |               |           |               |          |
|---------------|-----------|---------------|----------|
| (क.) लिखति    | - लि॒ख्   | (ख.) पिल्लति  | - पि॒ल्  |
| (ग.) क्रीड़ति | - क्री॒ड् | (घ.) कूर्द़ति | - कूर्द् |
| (ङ.) भ्रमति   | - भ्र॒म्  | (ङ.) पतति     | - प॒त्   |

२. उचित अर्थ के साथ मिलान कीजिए—

- |               |                |      |
|---------------|----------------|------|
| (क.) लिखति    | (i) देता है    | (इ.) |
| (ख.) पतति     | (ii) पीता है   | (ख.) |
| (ग.) क्रीड़ति | (iii) लिखता है | (क.) |
| (घ.) भ्रमति   | (iv) गिरता है  | (घ.) |
| (ङ.) परद्यति  | (v) छेलता है   | (ङ.) |
| (ङ.) पिल्लति  | (vi) हीता है   | (ङ.) |

## रिक्त स्थान भौंहे -

रुक्षवन्

द्विवन्

बहुवन्

भ्रमीति

भ्रमतः

भ्रमीति

कथपति

कथपतः

कथपीति

कूजीति

कूजतः

कूजीति

परद्धीति

परद्धताः

परद्धीति

पश्पति

पश्पतः

पश्पीति

आस्ति

स्तः

सीति

## चित्र देखकर क्रियापद लिखिए -

(क) नमाति (ख) क्रीडतः (ग) धावीति

(घ) गच्छतः (ङ) पठति (ङ) उड़पति

## उचित क्रिया पर सही का निशान लगाइए -

वानरः कूर्दति

पिका: कूजीन्ति

सिद्धः गर्जति

धालकः क्रीडति

आश्वाः धावीति